जयकारों से गुंजायमान हुई विराट नगरी

आस्था के महाकुंभ में डुबकी लगाने को तैयार







शहडोल। या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता... के पावन मंत्रोंचार और मां भगवती के गगनभेदी जयकारों के साथ ही समूचा शहडोल अंचल और ऐतिहासिक विराट नगरी पूरी तरह से भक्ति रस में सराबोर हो गई है। शारदीय नवरात्रि के शुभारंभ पर आज घटस्थापना के साथ ही घर-घर और देवालयों में जगत जननी मां जगदम्बा की आराधना का महापर्व शुरू हो चुका है। प्रातः काल से ही मंदिरों में गूंजती घंटियों, शंखध्वनि और कर्णप्रिय देवी भजनों ने पूरे अंचल के वातावरण को आध्यात्मिक ऊर्जा से भर दिया है।

सिद्ध पीठ में उमड़ा आस्था का सैलाब

क्षेत्र के सबसे प्रमुख और ऐतिहासिक धार्मिक केंद्र सिंहपुर स्थित मां काली मंदिर में नवरात्रोत्सव को लेकर अभूतपूर्व उत्साह देखा जा रहा है। लोक न्यास सिंहपुर एवं मंदिर समिति द्वारा दूर-दराज से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा हेतु व्यापक स्तर पर प्रबंध किए गए हैं। श्रद्धालुओं को कतारबद्ध तरीके से बिना किसी परेशानी के दर्शन प्राप्त हो सकें, इसके लिए मंदिर परिसर में मजबूत बैरिकेडिंग और छायादार शेड बनाए गए हैं। मां काली का पावन धाम रंग-बिरंगी दूधिया रोशनी और आकर्षक पुष्प सज्जा से नहा उठा है। मां काली मंदिर लोक न्यास के पदाधिकारियों ने भक्तों से शांतिपूर्ण व सुव्यवस्थित तरीके से दर्शन करने तथा व्यवस्था बनाए रखने में सहयोग की अपील की है। वहीं दूसरी ओर अंतरा स्थित प्रसिद्ध मातानी मंदिर में भी अलसुबह से ही माथा टेकने वाले श्रद्धालुओं की भारी आवाजाही शुरू हो गई है। माना जा रहा है कि इस बार पिछले वर्षों की तुलना में कहीं अधिक भीड़ उमड़ेगी।

विराट मंदिर व शहर के पंडालों में अलौकिक छटा

संभागीय मुख्यालय के हृदय स्थल स्थित विराट मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना और अनुष्ठानों की रूपरेखा तैयार कर ली गई है। इसके अलावा शहर के हर प्रमुख चौक-चौराहों, गली-मोहल्लों से लेकर ग्रामीण और कस्बाई अंचलों में एक से बढक़र एक भव्य व आकर्षक पूजा पंडाल सजाए गए हैं। बच्चों से लेकर बुजुर्गों और महिलाओं में इस धार्मिक महोत्सव को लेकर एक अलग ही उमंग और उत्साह देखने को मिल रहा है।

चप्पे-चप्पे पर पुलिस की नजर

त्योहारों के इस महापर्व में शांति, सौहार्द और कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए जिला एवं पुलिस प्रशासन पूरी तरह अलर्ट मोड पर है। भीड़भाड़ वाले मुख्य बाजारों, मंदिर परिसरों और संवेदनशील क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती की गई है। प्रमुख चौराहों और बड़े पंडालों के आसपास सीसीटीवी कैमरों व सादे कपड़ों में पुलिसकर्मियों द्वारा पैनी नजर रखी जा रही है। शहर में यातायात व्यवस्था सुचारू बनाए रखने के लिए मंदिर मार्गों पर भारी वाहनों के प्रवेश पर आंशिक प्रतिबंध और पार्किंग की अलग से व्यवस्था की गई है।

भक्ति और अध्यात्म का अनूठा संगम

नवरात्रि के इस प्रथम दिवस से ही समूचा शहडोल जिला शक्ति की उपासना में लीन हो चुका है। ग्रामीण अंचलों से लेकर शहरी क्षेत्रों तक केवल जय माता दी गूंज है। आने वाले नौ दिनों तक पूरा अंचल माता रानी की भक्ति, उपवास, संयम और गरबा-डांडिया के रंगों में रंगा नजर आएगा।

सज गया मां बिरासिनी का दरबार

कल शुभ मुहूर्त में होगी घटस्थापना, बोए जाएंगे आस्था के मनोकामना कलश





उमरिया। शारदीय नवरात्रि पर्व के आगमन के साथ ही शहडोल संभाग के प्रसिद्ध धार्मिक स्थल बिरसिंहपुर पाली में मां बिरासिनी का पावन दरबार पूरी तरह सज-धजकर तैयार हो चुका है। कल सुबह प्रथमा तिथि पर संपूर्ण विधि-विधान के साथ मंदिर प्रांगण में घटस्थापना की जाएगी और श्रद्धालुओं द्वारा मनोकामना व आस्था के कलश बोए जाएंगे।

प्रशासन और मंदिर समिति ने पूरी की व्यवस्थाएं

नवरात्रि के पावन अवसर पर श्रद्धालुओं की संभावित भारी भीड़ को देखते हुए मंदिर प्रबंध एवं संचालन समिति द्वारा चाक-चौबंद तैयारियां की गई हैं। मंदिर संचालन समिति की अध्यक्ष व एसडीएम मीनाक्षी बंजारे तथा सचिव व तहसीलदार नीलेश सिंह के मार्गदर्शन में मंदिर परिसर की विशेष साफ-सफाई, पुताई, लिपाई और अलौकिक साज-सज्जा का कार्य पूर्ण कर लिया गया है। दर्शार्थियों को सुगमता से दर्शन उपलब्ध कराने के लिए मंदिर परिसर में मजबूत रेलिंग और कतारबद्ध दर्शन की विशेष व्यवस्था बनाई गई है, ताकि हर भक्त बिना किसी असुविधा के मां बिरासिनी के पावन स्वरूप का दर्शन कर आशीर्वाद प्राप्त कर सके।

प्रातः 8 से 11 बजे के बीच होगी घटस्थापना

मुख्य पुजारी गोपाल पंडा ने तैयारियों की विस्तृत जानकारी देते हुए बताया कि अमावस्या के विशेष पूजन के उपरांत कल प्रतिपदा के शुभ मुहूर्त में प्रातः 08 बजे से 11 बजे के बीच घटस्थापना और अखंड ज्योति प्रज्वलन का मुख्य अनुष्ठान संपन्न होगा। इस दौरान जिला कलेक्टर, एसडीएम, तहसीलदार सहित मंदिर प्रबंध समिति के सदस्य और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहकर पूजा-अर्चना करेंगे।

हजारों की संख्या में जलेंगी ज्योति कलश व मनोकामना ज्योति

प्रधान पुजारी के अनुसार, मां बिरासिनी के इस सिद्ध पीठ में केवल देश ही नहीं, बल्कि विदेशों से भी श्रद्धालु अपनी मनोकामनाएं लेकर पहुंचते हैं। इस वर्ष मंदिर परिसर में लगभग 3,000 से 4,000 घी एवं तेल के अखंड ज्योति कलश स्थापित किए जाएंगे। समिति द्वारा पारदर्शी व्यवस्था के तहत मनोकामना कलश हेतु निर्धारित शुल्क की रसीदें काटी जा रही हैं।

भक्ति और आस्था का अलौकिक केंद्र

बिरसिंहपुर पाली का मां बिरासिनी मंदिर पूरे अंचल के लिए अगाध श्रद्धा का केंद्र है। माता रानी की भव्य प्रतिमा का अलौकिक श्रृंगार कर उन्हें विशेष पुष्पमालाओं से सजाया गया है। आगामी नौ दिनों तक चलने वाले इस महाउत्सव में रोजाना हजारों की संख्या में भक्त माथा टेकने पहुंचेंगे। स्थानीय प्रशासन व पुलिस बल भी चप्पे-चप्पे पर मुस्तैद रहकर सुरक्षा व व्यवस्था बनाए रखने में जुटा हुआ है।

भीड़भाड़ वाले इलाके में खुलेआम सट्टा पट्टी काटे जाने की शिकायत

इमामबाड़ा क्षेत्र में सट्टा-अवैध पेट्रोल बिक्री का आरोप, सुरक्षा व्यवस्था पर उठे सवाल

पेट्रोल के असुरक्षित भंडारण और बिक्री से बड़े हादसे की आशंका
पुलिस की कार्रवाई पर टिकी निगाहें

धनपुरी। नगर के इमामबाड़ा क्षेत्र में कथित तौर पर सट्टा पट्टी काटे जाने और पेट्रोल की अवैध बिक्री का मामला सामने आया है। स्थानीय स्तर पर लगाए जा रहे आरोपों के अनुसार, राजा नामक व्यक्ति की गतिविधियों को लेकर सवाल उठ रहे हैं। यह क्षेत्र लोगों की आवाजाही वाला इलाका बताया जा रहा है, ऐसे में यहां सट्टे के कथित कारोबार और पेट्रोल की बिक्री को लेकर सुरक्षा संबंधी चिंताएं भी सामने आ रही हैं। स्थानीय लोगों की शिकायतों के मुताबिक, यदि भीड़भाड़ वाले क्षेत्र में खुलेआम सट्टा पट्टी काटी जा रही है, तो इसकी निष्पक्ष जांच जरूरी है। सट्टे की लत में आर्थिक नुकसान उठाने वाले लोगों और परिवारों पर पडऩे वाले दुष्प्रभावों को नजरअंदाज नहीं किया जा सकता। कथित अवैध गतिविधियों पर समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो समस्या और गंभीर हो सकती है। हालांकि, इन आरोपों की स्वतंत्र पुष्टि होना अभी बाकी है।

पेट्रोल की बिक्री बनी सुरक्षा का बड़ा सवाल

मामले का दूसरा गंभीर पहलू क्षेत्र में कथित रूप से पेट्रोल बेचे जाने का है। यदि बिना



आवश्यक अनुमति और सुरक्षा इंतजामों के पेट्रोल का भंडारण अथवा बिक्री की जा रही है, तो यह आसपास के लोगों के लिए जोखिम पैदा कर सकता है। पेट्रोल अत्यंत ज्वलनशील पदार्थ है। असुरक्षित तरीके से इसका भंडारण आगजनी जैसी गंभीर घटना को न्योता दे सकता है, जिससे दुकानों, मकानों और राहगीरों की जान-माल को नुकसान पहुंचने की आशंका रहेगी। ऐसे में प्रशासन को यह स्पष्ट करना चाहिए कि संबंधित स्थान पर पेट्रोल की बिक्री किस अनुमति के तहत की जा रही है और वहां अग्नि सुरक्षा के पर्याप्त इंतजाम हैं या नहीं। यदि नियमों का उल्लंघन पाया जाता है, तो नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए।

पुलिस की भूमिका पर उठ रहे सवाल

इमामबाड़ा क्षेत्र थाना धनपुरी के अंतर्गत आता है। ऐसे में सवाल उठता है कि यदि स्थानीय स्तर पर इस प्रकार की शिकायतें सामने आ रही हैं, तो पुलिस और संबंधित विभागों ने अब तक क्या कदम उठाए हैं? क्या मामले की जानकारी संबंधित अधिकारियों तक पहुंची है? क्या कथित सट्टा गतिविधियों और पेट्रोल की बिक्री की जांच की गई है? इन सवालों पर पुलिस का आधिकारिक पक्ष सामने आना आवश्यक है।

रिकॉर्डिंग सहित जांच की मांग

मामले से संबंधित रिकॉर्डिंग अथवा अन्य साक्ष्य उपलब्ध होने की स्थिति में उनकी सत्यता की जांच कराई जानी चाहिए। पुलिस को मौके की पड़ताल कर कथित सट्टा गतिविधियों, पेट्रोल के स्रोत, भंडारण और बिक्री की वैधता की जांच करनी चाहिए। यदि आरोप सही पाए जाते हैं, तो जिम्मेदार लोगों के विरुद्ध कानून के अनुसार कार्रवाई होनी चाहिए। अब निगाहें पुलिस और प्रशासन पर हैं। इमामबाड़ा जैसे व्यस्त क्षेत्र में किसी भी संभावित जोखिम को नजरअंदाज करना उचित नहीं होगा। निष्पक्ष जांच, तथ्यों के आधार पर कार्रवाई और अधिकारियों का स्पष्ट पक्ष ही पूरे मामले की वास्तविक स्थिति सामने ला सकता है।

तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेलर ने स्कूटी को मारी टक्कर, अधेड़ की मौत और एक गंभीर

शहडोल। जिले के बुढ़ार थाना क्षेत्र के अंतर्गत राष्ट्रीय राजमार्ग-43 पर एक दर्दनाक सडक हादसा पेश आया, जहां तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेलर ने स्कूटी सवारों को अपनी चपेट में ले लिया। इस भीषण हादसे में स्कूटी सवार 50 वर्षीय सुजीत कुमार यादव की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनके साथ सवार एक अन्य व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना स्थल पर मौजूद जानकारी के मुताबिक, स्कूटी सवार दोनों व्यक्ति अपने घर बुढ़ार की ओर लौट रहे थे, तभी केशर के पास पीछे से आ रहे एक अनियंत्रित और तेज रफ्तार अज्ञात ट्रेलर ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि इलाके में अफरा-तफरी मच गई। हादसे की सूचना मिलते ही बुढ़ार थाना पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची और स्थानीय लोगों की मदद से घायल को तत्काल उपचार के लिए मेडिकल कॉलेज भिजवाया, वहीं मृतक के शव को कब्जे में लेकर आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई। अचानक हुई इस दुर्घटना से आक्रोशित परिजनों को पुलिस ने उचित समझाइश देकर शांत कराया। फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज खंगालते हुए अज्ञात ट्रेलर और उसके फरार चालक की तलाश में जुटी हुई है।

कल्याणी वेलफेयर और पार्षद ने 40 कैदियों की आँखों में लौटाई रोशनी

जेल की सलाखों के पीछे उम्मीद की किरण

शहडोल। समाजसेवा और संवेदनशीलता जब आपस में मिलती है, तो बड़े से बड़े अंधेरे को भी रोशन किया जा सकता है। जिला जेल में इस बार कुछ ऐसा ही अनूठा और मानवीय नजारा देखने को मिला, जहां जेल के बंदियों के जीवन में नई उम्मीद और उजाला बिखेरने का काम किया गया है। अवसर था कल्याणी वेलफेयर सोसाइटी की ओर से आयोजित निःशुल्क नेत्र परीक्षण एवं चश्मा वितरण शिविर का, जिसने सलाखों के पीछे जिंदगी काट रहे कैदियों के चेहरों पर अनूठी मुस्कान ला दी।

शिविर में हुई कैदियों की आंखों की जांच

समाजसेवी संस्था कल्याणी वेलफेयर सोसाइटी की अध्यक्ष श्रीमती कल्याणी वाजपेई और युवा समाजसेवी एवं पार्षद सिल्लू रजक के प्रयासों से जिला जेल परिसर में इस विशेष स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। जिला अस्पताल के विशेषज्ञ चिकित्सकों की टीम के सहयोग से लगाए गए इस शिविर में कैदियों की आँखों की बारीकी से जांच की गई। जांच के दौरान जिन बंदियों को नजर से जुड़ी कमजोरियां या कम दिखने की समस्या पाई गई, उन्हें तत्काल चिन्हित किया गया। इस मानवीय पहल के तहत लगभग 40



जरूरतमंद कैदियों को मौके पर ही निःशुल्क चश्मे वितरित किए गए, ताकि वे अपने दैनिक जीवन और पठन-पाठन संबंधी कार्यों को सुगमता से कर सकें।

मानवीय सरोकारों की अनूठी मिसाल

जेल में निरुद्ध कैदियों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं मुहैया कराने और उनकी आंखों की देखभाल के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से यह कदम उठाया गया है। आयोजकों का मानना है कि गलती चाहे जो भी रही हो, लेकिन समाज की मुख्यधारा से दूर इन बंदियों के शारीरिक स्वास्थ्य और मानवीय जरूरतों का ख्याल रखना हर संवेदनशील समाज का दायित्व है। इस पहल ने न केवल कैदियों को बड़ी राहत दी है, बल्कि समाज में सेवा और भाईचारे का एक सशक्त संदेश भी दिया है।

गरिमामयी उपस्थिति और सराहनीय सहयोग

इस सेवा कार्य के दौरान जिला जेल उपनिरीक्षक श्री सुनील वाशवाड़े विशेष रूप से उपस्थित रहे, जिन्होंने इस पहल की सराहना की। इसके अलावा जिला अस्पताल की मेडिकल टीम से डॉ. ए.के. लाल, रमाकांत, मनोज कहार और सोनू वर्मा ने अपनी सेवाएं देकर शिविर को सफल बनाया। स्थानीय नागरिकों और प्रबुद्धजनों द्वारा कल्याणी वेलफेयर सोसाइटी तथा पार्षद सिल्लू रजक की इस सराहनीय पहल की मुक्तकंठ से प्रशंसा की जा रही है। जानकारों का कहना है कि ऐसे सेवा कार्य समाज के उपेक्षित वर्ग तक स्वास्थ्य लाभ पहुँचाने के साथ-साथ मानवीय संवेदनाओं को जीवंत रखने में अहम भूमिका निभाते हैं।

उत्कल एक्सप्रेस पकड़ने पहुंचे युवा कांग्रेस नेताओं को पुलिस ने स्टेशन पर रोका

शहडोल। देश की राजधानी दिल्ली में मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार के इस्तीफे की मांग को लेकर आयोजित होने वाले तीखे धरना-प्रदर्शन में शामिल होने जा रहे युवा कांग्रेस के तेवर और जोश को शहडोल पुलिस ने स्टेशन पर ही ब्रेक लगा दिया है। दिल्ली की ट्रेन पकडऩे पहुंचे युवा कांग्रेस के इन तेवरबंद नेताओं को पुलिस ने बीच रास्ते में ही दबोच लिया और सिटी कोतवाली ले आई। इस हाई-प्रोफाइल राजनीतिक ड्रामे के बाद जिले का सियासी पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया है।

मुख्य चुनाव आयुक्त के खिलाफ दिल्ली में होने वाले राष्ट्रव्यापी विरोध प्रदर्शन में शिरकत करने के लिए शहडोल युवा कांग्रेस के पदाधिकारी पूरी तैयारी के साथ रवाना हुए थे। तय कार्यक्रम के मुताबिक सभी नेता उत्कल एक्सप्रेस से दिल्ली के लिए ट्रेन पकडऩे वाले थे, लेकिन इसके पहले कि ट्रेन अपनी रफ्तार पकड़ती, खाकी ने मोर्चा संभाल लिया। रेलवे स्टेशन पर ही पुलिस ने फौलादी घेराबंदी कर युवा कांग्रेस जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम समेत तमाम दिग्गजों को रोक लिया और जबरन हिरासत में ले लिया। पुलिस की इस त्वरित और एहतियाती कार्रवाई के तहत जिलाध्यक्ष अनुपम गौतम के अलावा प्रदेश महासचिव अभिषेक शुक्ला, जिला महासचिव शेख आबिद, जयसिंहनगर विधानसभा अध्यक्ष शेख शाजिल और युवा कांग्रेस कार्यकर्ता सत्यम प्रजापति को सीधे सिटी कोतवाली थाने उठा लाया गया। थाने के भीतर इन नेताओं को कई घंटे तक बैठाकर रखा गया और लंबी पूछताछ व गहमागहमी के बाद आखिरकार देर रात सभी को रिहा किया गया। हालांकि, पुलिस महकमे की तरफ से इस अचानक की गई कार्रवाई के पीछे कोई भी ठोस या आधिकारिक वजह खुलकर सामने नहीं आई है, जिससे राजनीतिक गलियारों में अटकलों का बाजार गर्म है। रिहाई के बाद युवा कांग्रेस नेताओं के तेवर और अधिक आक्रामक हो गए हैं। जिला महासचिव शेख आबिद ने तीखी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि तमाम नेता पूरी लोकतांत्रिक मर्यादा और शांतिपूर्ण तरीके से अपनी आवाज बुलंद करने दिल्ली जा रहे थे, लेकिन तानाशाही रवैया अपनाते हुए पुलिस ने उन्हें रेलवे स्टेशन पर ही रोक लिया। उन्होंने दो टूक शब्दों में चेतावनी दी कि सरकार चाहे जितना जोर लगा ले और पुलिस के बल पर दमन की नीति अपना ले, युवा कांग्रेस इन दबावों के आगे कतई झुकने वाली नहीं है। जनहित और निष्पक्ष लोकतांत्रिक व्यवस्था की मांग को लेकर विरोध दर्ज कराने का उनका यह सिलसिला आगे भी इसी तरह जारी रहेगा।



खबर संक्षेप



सेवा संकल्प अभियान के तहत फलदार पौधरोपण एवं बच्चों को सामग्री वितरण

कोतमा। मध्यप्रदेश जन अभियान परिषद के निर्देशानुसार सेवा संकल्प अभियान 2026 के अंतर्गत संचालित 'सेवा मेरा योगदान' कार्यक्रम के तहत कोतमा विकासखंड के सेक्टर क्रमांक 04 में पर्यावरण संरक्षण, सामाजिक सहभागिता एवं बाल कल्याण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया। नवांकुर संस्था जी. एस. हितकारिणी समिति कोतमा के द्वारा आयोजित इन कार्यक्रमों में पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संकल्प लिया गया तथा आंगनवाड़ी केंद्र में बच्चों को आवश्यक सामग्री वितरित कर उनके साथ स्नेहपूर्ण संवाद किया गया। सेवा मेरा योगदान कार्यक्रम के अंतर्गत ग्राम कटकोना में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से फलदार पौधों का रोपण किया गया। इस अवसर पर उपस्थित समिति के सदस्यों ने पौधों की देखभाल करने तथा प्रकृति के संरक्षण में सक्रिय भागीदारी निभाने का संकल्प लिया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक सरिमन साकेत, मेंटर श्रीमती मीना सिंह, नवांकुर संस्था जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के सचिव ओंकार सिंह तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कटकोना के अध्यक्ष एवं सचिव सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे। इस अवसर पर ओंकार सिंह ने कहा कि वृक्ष प्रकृति की अमूल्य धरोहर हैं। फलदार पौधे पर्यावरण को संतुलित रखने के साथ-साथ भविष्य में फल, छाया और पक्षियों को आश्रय प्रदान करते हैं। पौधरोपण के साथ उनकी नियमित देखभाल करना भी हम सब की जिम्मेदारी है। सामूहिक प्रयासों से ही हरित एवं स्वच्छ पर्यावरण का निर्माण संभव है। इसी अभियान के अंतर्गत ग्राम चगेरी स्थित आंगनवाड़ी केंद्र क्रमांक 16 में 'सामाजिक सहयोग और भविष्य को मजबूत आधार' की भावना के साथ एक विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। नवांकुर संस्था जी. एस. हितकारिणी समिति कोतमा के तत्वावधान में आयोजित इस कार्यक्रम में आंगनवाड़ी के नन्हे बच्चों को आवश्यक सामग्री वितरित की गई। साथ ही बच्चों के साथ स्नेहिल संवाद कर उन्हें प्रोत्साहित किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य बच्चों की आवश्यकताओं के प्रति सामाजिक संवेदनशीलता विकसित करना तथा उनके बेहतर भविष्य के निर्माण में समुदाय की सहभागिता सुनिश्चित करना रहा। इस दौरान बच्चों के प्रति प्रेम, अपनत्व और सहयोग की भावना के साथ उनके सर्वांगीण विकास के महत्व पर जोर दिया गया। कार्यक्रम में विकासखंड समन्वयक सरिमन साकेत, समाजसेवी मनोज कुमार साहू, नवांकुर संस्था सचिव जीएस हितकारिणी समिति कोतमा के ओंकार सिंह, आंगनवाड़ी कार्यकर्ता श्रीमती शकुन गुप्ता, श्रीमती अमीरा सिंह, श्रीमती तुलसा सिंह तथा ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति की सचिव श्रीमती ज्योति सिंह सहित आंगनवाड़ी के नन्हे बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रमों के माध्यम से यह संदेश दिया गया कि समाज में सकारात्मक बदलाव लाने के लिए छोटे-छोटे प्रयास भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। एक ओर पौधरोपण के माध्यम से पर्यावरण संरक्षण की दिशा में कदम बढ़ाया गया, वहीं दूसरी ओर बच्चों को आवश्यक सामग्री प्रदान कर उनके प्रति सामाजिक दायित्व का निर्वहन किया गया।

गोहपारू जनपद का अजब-गजब न्याय
बिल्ली को ही सौंप दी दूध की रखवाली

पुलिया निर्माण में 10 लाख के घपले की शिकायत
सीईओ ने जांच का जिम्मा आरोपी सरपंच-सचिव को ही थमाया

शहडोल। अंधेर नगरी, चौपट राजा... यह कहावत तो आपने बहुत सुनी होगी, लेकिन अगर आपको इसका जीवंत और ताजा उदाहरण देखना हो तो जनपद पंचायत गोहपारू चले आइए, यहां के मुख्य कार्यपालन अधिकारी सुधीर कुमार दिनकर के दिव्य ज्ञान और अद्भुत प्रशासनिक सूझबूझ का एक ऐसा ही कारनामा सामने आया है, जिसे सुनकर आम जनता तो दूर, कानून के जानकारों का भी सिर चकरा गया है। मामला ग्राम पंचायत सेमरा में चल रहे एक निर्माणाधीन पुलिया का है। यहां उपसरपंच नरेंद्र प्रसाद मिश्रा ने आरोप लगाया है कि 5 वें वित्त मद से लगभग 10 लाख रुपये की लागत से बनने वाली पुलिया में नियमों को ताक पर रखकर बाहरी ठेकेदारों द्वारिका सोनी एवं जेसा नायक से काम कराया जा रहा है। शिकायत पत्र में स्पष्ट लिखा गया है कि कागजों पर खसरा क्रमांक 55 दर्ज है





जो राजस्व रिकॉर्ड में झुड़पी जंगल है, जबकि मौके पर निर्माण खसरा क्रमांक 56 की निजी भूमि पर धड़ल्ले से कराया जा रहा है। इतना ही नहीं, बिना सही काम और गुणवत्ता के लगभग 5.27 लाख रुपये की भारी-भरकम राशि भी आहरित की जा चुकी है, जबकि बेचारे मजदूरों को उनकी मजदूरी का भुगतान तक नहीं हुआ है।

आरोपी ही अब खुद करेंगे अपनी जांच

उपसरपंच ने भ्रष्टाचार, फर्जीवाड़े और सरपंच-ठेकेदारों की मिलीभगत का चि_ा सीईओ साहब के सामने रखा, तो साहब ने निष्पक्ष जांच की ऐसी नजीर पेश की कि लोग दांतों तले अंगुली दबाने को मजबूर हैं। सीईओ सुधीर कुमार दिनकर ने आदेश जारी करते हुए जांच का फरमान उपयंत्री पवन कुमार वर्मन के साथ-साथ उसी ग्राम पंचायत सेमरा के सरपंच और सचिव को सुनाया, जिस सरपंच और सचिव पर सीधे-सीधे मिलीभगत, फर्जी बिल लगाने और अनियमितता का आरोप लगा है, जनपद सीईओ ने उन्हीं को जांच कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दे दिया, अब इसे प्रशासनिक अज्ञानता कहें, लापरवाही या फिर भ्रष्टाचार को खुला संरक्षण देने का नायाब तरीका? जब आरोपी ही खुद अपनी जांच करेगा, तो क्या वह अपने खिलाफ रिपोर्ट लिखकर खुद को जेल भेजेगा?

चोर को ही दे दी तिजोरी की चाबी

गांव के लोग अब चटकारे लेकर कह रहे हैं कि गोहपारू जनपद में तो गजब की व्यवस्था लागू हो चुकी है। अब अगर किसी घर में चोरी होगी, तो पुलिस जांच का जिम्मा चोर को ही सौंपेगी। उपसरपंच ने अपनी शिकायत में साफ लिखा था कि निर्माण स्थल का सीमांकन, एमबी (माप पुस्तिका), गुणवत्ता, लेबर भुगतान और राजस्व अभिलेखों की गहन और निष्पक्ष जांच कराई जाए, लेकिन जनपद सीईओ सुधीर कुमार दिनकर ने जांच के नाम पर ऐसा कानूनी तमाचा मारा है कि निष्पक्षता का जनाजा ही निकल गया।

अधिकारियों का सुस्त रवैया और लटकी जांच

आदेश पत्र के मजमून पर गौर करें तो सीईओ साहब खुद मानते हैं कि शिकायत की जांच लंबित होने के कारण कार्य पुनः प्रारंभ हो गया है। यानी जब तक जांच लटकी रही, तब तक ठेकेदार और सरपंच मिलकर सरकारी खजाने को चूना लगाते रहे और जब आदेश निकला भी, तो ऐसा गोलमटोल कि आरोपी ही जांचकर्ता बन बैठे, आदेश में नाममात्र के लिए लिख दिया गया है कि अगर गुणवत्ता सही नहीं पाई गई तो आप लोगों से वसूली की जाएगी, लेकिन सवाल यह है कि जो खुद कठघरे में खड़े हैं, वे अपने खिलाफ जांच रिपोर्ट गुणवत्ताहीन कैसे बनाएंगे?

सरकारी तिजोरी लूटने के लिए सरपंच-सचिव ने खोल ली पारिवारिक दुकान!
टैंकरों के नाम पर फर्जी रिपेयरिंग, कागजों पर दौड़ रहे रिश्तेदार

मानपुर। विकास की गंगा बहाने के दावे करने वाले नुमाइंदे जब खुद जनता के हक का खून चूसने पर उतर आएं, तो इसे क्या कहेंगे? जनपद पंचायत मानपुर अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत पनपथा इस समय भ्रष्टाचार का एक ऐसा जीवंत और कलंकित गढ़ बन चुकी है, जिसे देखकर अच्छे-अच्छे शातिर ठग भी शरमा जाएं। यहां सरपंच और सचिव की ऐसी जुगलबंदी बैठी है कि सरकारी खजाने को अपना निजी बटुआ समझकर जमकर खंगाला जा रहा है।

बिना रिपेयरिंग कराए निकल गए हजारों के बिल- पनपथा पंचायत में चल रहे खेल की बानगी देखिए। विश्वकर्मा बिल्डिंग शॉप के नाम पर 5-5 हजार रुपये के चार बिना तारीख वाले बिल थमा दिए गए हैं। कागजों में यह राशि ट्रैक्टर-टैंकरों की मरम्मत के नाम पर निकाली गई है। जरा धरातल की हकीकत पर गौर कीजिए, पंचायत के पास कुल 3 टैंकर मौजूद हैं, लेकिन स्थानीय लोगों और सबूतों के फुटेज गवाही दे रहे हैं कि इन टैंकरों पर आज तक रिपेयरिंग के नाम पर



एक पेंच तक नहीं कसा गया।

पारिवारिक चैरिटी और फर्जी बिलों का अंबार- घपलेबाजी का दायरा यहीं खत्म नहीं होता। पंचायत के इन कर्णधारों ने तो लूट की हदें पार करते हुए अपने चहेतों और रिश्तेदारों को मालामाल करने का नायाब ठेका ले रखा है। ग्राम पंचायत के मुखिया यानी सरपंच मूलचंद जायसवाल के सपुत्र प्रवीण कुमार जायसवाल के नाम से सीधे 1500 रुपये का बिल चस्पा कर दिया गया। गौरव ताम्रकार रजिस्टर कॉपी, नीरज कुमार ताम्रकार नमकीन-बूंदी के बिल, पुष्पा देवी जायसवाल 3134 रुपये का बिल, अभिषेक 1566 रुपये का बिल, रामरति जायसवाल 3132 रुपये का बिल, अमित जायसवाल, सुषमा तिवारी और रश्मि जायसवाल सभी के 1566 रुपये के फर्जी बिल धड़ल्ले से पास करा लिए गए। इन तमाम लोगों के नाम पर मलाई काटी जा रही है, जबकि हकीकत यह है कि इन्होंने धरातल पर कोई काम किया ही नहीं है।

पंचायत भवन तक सीसी रोड बनी मज़ाक- जनता के पैसों से मुख्य सडक से लेकर ग्राम पंचायत तक जो सीसी रोड बनाई गई थी, उसकी गुणवत्ता इतनी घटिया थी कि वह बनने के कुछ ही दिनों बाद उखडकर धूल में मिल गई। न तो पंचायत के सरपंच-सचिव को सडक की गुणवत्ता की फिक्र है और न ही इंजीनियर ही इस मामले में कुछ कहने को तैयार हैं, इंजीनियर साहब ने भी आंखें मूंदकर बिना किसी सही मूल्यांकन के फर्जी बिलों पर दनादन हस्ताक्षर कर दिए और जनता की गाढ़ी कमाई डकार ली गई।

जिम्मेदारों की चुप्पी पर सुलग रहा ग्रामीणों का गुस्सा- पनपथा के त्रस्त ग्रामीणों का सब्र अब जवाब दे चुका है। उन्होंने कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय, जिला पंचायत सीईओ अभय सिंह ओहरिया और मानपुर जनपद पंचायत के मुख्य कार्यपालन

अधूरी रह गई डॉटी की सल्तनत, बांधवगढ़ में शोक की लहर
मझखेता बीट में मिला बांधवगढ़ की रानी बाघिन डॉटी का शव

15-16 माह के दो अबोध शावक लापता, पार्क प्रबंधन की नींद उड़ी

मानपुर। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के घने जंगलों पर वर्षों तक राज करने वाली और दुनिया भर के वन्यजीव प्रेमियों के दिलों में अपनी खास जगह बनाने वाली मशहूर बाघिन डॉटी अब हमारे बीच नहीं रही। मानपुर बफर रेंज अंतर्गत मझखेता बीट के शांत जंगलों में उसका निर्जीव शरीर मिला। एक युग के अंत के साथ ही पार्क प्रबंधन के सामने अब सबसे बड़ी चुनौती उसके दो लापता 15-16 माह के अबोध शावकों को सुरक्षित ढूंढ निकालने की आ खड़ी हुई है।

हाथी गश्त के दौरान मिला शव- मिली जानकारी के अनुसार, शक्रवार 9 अक्टूबर को जब वनकर्मी हाथियों पर सवार होकर नियमित गश्त पर निकले थे, तभी उन्हें झाड़ियों के बीच डॉटी अचेत अवस्था में दिखाई दी। पास जाकर देखने पर उसकी मौत की पुष्टि हुई। पार्क अधिकारियों ने तत्परता दिखाते हुए पूरे इलाके की किलेबंदी कर दी। मानक संचालन प्रक्रिया के तहत डॉग स्क्वाड की टीम से घटनास्थल की



बारकी से छानबीन कराई गई, जहाँ कोई भी संदिग्ध वस्तु या शिकारी गतिविधि के साक्ष्य नहीं मिले हैं। शनिवार 10 अक्टूबर को वन्यजीव स्वास्थ्य विशेषज्ञों और पशु चिकित्सा अधिकारियों के दल की मौजूदगी में शव का परीक्षण (पोस्टमार्टम) कराया गया। इसके बाद पूरे सम्मान के साथ उसका अंतिम संस्कार कर दिया गया। प्राथमिक जांच में मौत की वजह बढ़ती उम्र और प्राकृतिक कारण बताई जा रही है, हालांकि विसरा सैंपल प्रयोगशाला भेजे गए हैं।

लापता शावकों ने बढ़ाई अधिकारियों की धडक़नें- डॉटी की विदाई के बाद पार्क प्रबंधन की असली चिंता उसके 15-16 महीने के दो युवा शावकों को लेकर है, जो घटनास्थल के आसपास मौजूद नहीं थे। इतनी कम उम्र में मां का साया सिर से उठ जाने के बाद इन शावकों की सुरक्षा पर बड़ा संकट मंडरा रहा है। पार्क प्रशासन की विशेष टीमें हाथियों और कैमरों की मदद से सर्च ऑपरेशन चलाकर जंगलों का चप्पा-चप्पा छान रही हैं, ताकि उन्हें जल्द से जल्द ढूँढकर सुरक्षित निगरानी में लिया जा सके।

संघर्ष और विरासत की अनकही दास्तान- वर्ष 2011-12 में बांधवगढ़ के मगधी जोन में प्रसिद्ध पटिहा मादा और ब्लू आई नर की संतान के रूप में जन्मी डॉटी का जीवन किसी संघर्षपूर्ण कहानी से कम नहीं रहा। अपने जीवनकाल में डॉटी ने कई बार शावकों को जन्म देकर बांधवगढ़ के बाघ कुनबे को समृद्ध किया। जब उसकी अपनी ही बाघिन बेटी ने मगधी क्षेत्र में अपनी धाक जमाई, तो डॉटी ने बिना किसी खूनी संघर्ष के गरिमापूर्ण तरीके से अपना इलाका छोड़ दिया और ताला जोन को अपना नया आशियाना बनाया। नए इलाके में खुद को स्थापित कर उसने दो और शावकों को जन्म दिया और उन्हें जंगल के कायदे सिखाए।

जंगल में गूंजती रहेगी डॉटी की विरासत- डॉटी केवल एक बाघिन नहीं थी, बल्कि वह बांधवगढ़ में बाघों की पीढ़ियों को आगे बढ़ाने वाली एक मजबूत धुरी थी।

नवरात्र पर्व को लेकर तैयारियां तेज, बाजारों में उमड़ी रौनक, फल-फूल के दामों में उछाल
पंडालों में साज-सज्जा अंतिम चरण में, मां दुर्गा की आराधना को लेकर श्रद्धालुओं में उत्साह

भालूमाड़ा। नवरात्र पर्व के प्रारंभ होने के साथ ही नगर में धार्मिक उत्साह और भक्तिमय माहौल देखने को मिल रहा है। मां दुर्गा की आराधना के लिए श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। मंदिरों से लेकर दुर्गा पंडालों तक तैयारियां जोर-शोर से चल रही हैं। वहीं, बाजारों में भी खरीदारी की रौनक बढ़ गई है। नवरात्र को लेकर विभिन्न स्थानों पर दुर्गा पंडालों का निर्माण और आकर्षक साज-सज्जा की जा रही है। पंडालों को रंग-बिरंगी लाइटों, फूलों और आकर्षक सजावटी सामग्री से सजाया जा रहा है। आयोजन समितियां पूजा-पाठ, धार्मिक कार्यक्रमों और श्रद्धालुओं की सुविधाओं को लेकर तैयारियों में जुटी हुई हैं। श्रद्धालु भी मां दुर्गा के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए उत्साहित नजर आ रहे हैं। नवरात्र के चलते बाजारों में पूजन सामग्री, चुनरी, नारियल, अगरबत्ती, दीपक, कलश और अन्य धार्मिक वस्तुओं की दुकानों पर ग्राहकों की आवाजाही बढ़ गई है। व्रत रखने





वाले लोग फलाहार की सामग्री की खरीदारी कर रहे हैं। दुकानदारों को पर्व के दौरान कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। नवरात्र के दौरान पूजा-अर्चना में फल और फूलों का विशेष महत्व होता है। मांग बढ़ने के चलते बाजार में फल-फूल के दामों में उछाल देखने को मिल रहा है। इससे पूजा सामग्री और फल खरीदने पहुंचे लोगों के बजट पर असर पड़ रहा है। श्रद्धालुओं का कहना है कि पर्व के समय आवश्यक पूजन सामग्री उचित कीमत पर उपलब्ध होनी चाहिए, ताकि हर वर्ग के लोग श्रद्धापूर्वक पूजा-अर्चना कर सकें।

नवरात्र पर्व में मिट्टी के बर्तनों का उपयोग धार्मिक आस्था और पारंपरिक पूजा-पद्धति का महत्वपूर्ण हिस्सा माना जाता है। मां दुर्गा की आराधना के दौरान मिट्टी के कलश, दीपक और जवारा बोने के लिए मिट्टी के पात्रों का विशेष रूप से उपयोग किया जाता है। बदलते समय के बावजूद धार्मिक आयोजनों में मिट्टी के बर्तनों की परंपरा आज भी कायम है। नवरात्र के पहले दिन घटस्थापना के दौरान कलश स्थापना का विशेष महत्व होता है। कई श्रद्धालु पूजा में मिट्टी के कलश और दीपक का उपयोग करते हैं। वहीं, जवारा बोने के लिए मिट्टी के पात्र में मिट्टी डालकर अनाज बोया जाता है। नौ दिनों तक श्रद्धालु विधि-विधान से मां दुर्गा की पूजा-अर्चना करते हैं और जवारा की सेवा करते हैं। मिट्टी के बर्तन प्राकृतिक सामग्री से बनाए जाते हैं और बिना हानिकारक रसायनों वाले साधारण मिट्टी के पात्र पर्यावरण के अनुकूल विकल्प हो सकते हैं। धार्मिक कार्यों में इनके उपयोग से पारंपरिक कुम्हार समुदाय के रोजगार को भी प्रोत्साहन मिलता है। त्योहारों के दौरान मिट्टी के दीपक, कलश और अन्य पूजा सामग्री की मांग बढ़ने से स्थानीय कारीगरों को आजीविका का अवसर मिलता है। नगर पालिका पसान क्षेत्र में भी नवरात्र पर्व के दौरान मिट्टी के बर्तनों का धार्मिक उपयोग परंपरागत पूजा-पद्धति से जुड़ा हुआ है। श्रद्धालुओं के लिए मिट्टी के पात्र केवल पूजा की सामग्री नहीं, बल्कि प्रकृति, संस्कृति और धार्मिक आस्था से जुड़ा प्रतीक हैं। नवरात्र में इनका उपयोग हमारी पारंपरिक विरासत को जीवित रखने का संदेश भी देता है।

शारदेय नवरात्र की तैयारियां पूर्ण, आज निकलेगी मां जगत जननी भगवती दुर्गा की भव्य शोभायात्रा

अमरकंटक। मां नर्मदा की उद्गम स्थली पवित्र नगरी अमरकंटक में शारदेय नवरात्र के पावन पर्व को लेकर तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। मां आदिशक्ति की आराधना, भक्ति और आध्यात्मिक उल्लास के बीच आज मां जगत जननी भगवती दुर्गा की भव्य विशाल शोभायात्रा निकाली जाएगी। प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी आयोजित होने वाली शोभायात्रा को लेकर श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह और आस्था का वातावरण है। श्री कल्याण सेवा आश्रम के प्रबंध न्यासी स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज ने जानकारी देते हुए बताया कि मां जगत जननी भगवती दुर्गा की विशाल शोभायात्रा प्रतिवर्ष श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक उल्लास के साथ निकाली जाती है। इस वर्ष भी नवरात्र के पावन अवसर पर शोभायात्रा का आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने समस्त श्रद्धालु भक्तजनों से आग्रह किया कि वे अधिक से अधिक संख्या में शोभायात्रा में पधारें, मां भगवती के दर्शन करें और इस पावन धार्मिक आयोजन में सहभागी बनकर पुण्य लाभ अर्जित करें। शारदेय नवरात्र सनातन धर्म की समृद्ध परंपरा में शक्ति की उपासना का महापर्व है। इन नौ दिनों में श्रद्धालु मां दुर्गा के विभिन्न स्वरूपों की आराधना कर परिवार, समाज और राष्ट्र की सुख-समृद्धि, शांति एवं कल्याण की कामना करते हैं। ऐसे पावन अवसर पर मां नर्मदा की पवित्र धरा अमरकंटक में भगवती दुर्गा की भव्य शोभायात्रा धार्मिक आस्था और सांस्कृतिक परंपराओं की अनुपम छटा प्रस्तुत करेगी। नगर में नवरात्रोत्सव को लेकर धार्मिक वातावरण निर्मित हो चुका है। मां भगवती के जयघोष, भक्ति और श्रद्धा के बीच निकलने वाली शोभायात्रा श्रद्धालुओं के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र रहेगी। आयोजन के माध्यम से सनातन संस्कृति, धार्मिक एकता और सामाजिक समरसता का संदेश भी प्रसारित होगा। स्वामी हिमाद्री मुनि जी महाराज ने समस्त धर्मप्रेमी नागरिकों, माताओं-बहनों, युवाओं और श्रद्धालु भक्तजनों से शोभायात्रा में सम्मिलित होने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा कि मां जगत जननी भगवती दुर्गा की आराधना का यह पावन अवसर सभी के लिए श्रद्धा और भक्ति का उत्सव है। सभी श्रद्धालु शोभायात्रा में सम्मिलित होकर मां भगवती का आशीर्वाद प्राप्त करें तथा नवरात्र पर्व की आध्यात्मिक गरिमा को और अधिक भव्य बनाएं। मां आदिशक्ति की उपासना के साथ अमरकंटक में शारदेय नवरात्र का यह पावन पर्व धार्मिक चेतना, आस्था और जनकल्याण की मंगलकामनाओं के साथ मनाया जा रहा है।

स्नान, दान, तर्पण और पिंडदान से गूंजे नर्मदा तट, पितरों को श्रद्धापूर्वक किया स्मरण
श्राद्ध अमावस्या पर रामघाट, पुष्कर बांध और अरंडी संगम में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब



अमरकंटक। प्रदेश के प्रमुख धार्मिक एवं आध्यात्मिक तीर्थ स्थल तथा पर्यटन केंद्र पवित्र नगरी अमरकंटक में अश्विन कृष्ण पक्ष की श्राद्ध अमावस्या पर शनिवार को श्रद्धा, भक्ति और धार्मिक आस्था का अनुपम संगम देखने को मिला। मां नर्मदा की पावन उद्गम स्थली में हजारों श्रद्धालुओं ने पुण्य सलिला मां नर्मदा के रामघाट, पुष्कर बांध एवं अरंडी संगम स्थित तटों पर आस्था की डुबकी लगाकर पवित्र स्नान किया। इसके पश्चात अपने पितरों की आत्मिक शांति, सद्गति एवं मोक्ष की कामना से जल तर्पण, तीर्थ श्राद्ध और पितृ श्राद्ध करते हुए विधि-विधान से पिंडदान अर्पित किया। श्राद्ध अमावस्या के अवसर पर प्रातःकाल से ही नर्मदा तटों पर श्रद्धालुओं के पहुंचने का सिलसिला आरंभ हो गया था। रामघाट एवं अरंडी संगम में श्रद्धालुओं ने अपने दिवंगत पूर्वजों का स्मरण कर जल, तिल एवं अन्य पूजन सामग्री के माध्यम से तर्पण किया। पुरोहितों के मार्गदर्शन में धार्मिक विधियां संपन्न कराते हुए श्रद्धालुओं ने अपने पितरों के प्रति कृतज्ञता व्यक्त की तथा परिवार की सुख-शांति, समृद्धि और कल्याण की कामना की। नर्मदा तटों पर सुबह से लेकर संध्याकाल तक स्नान, दान, तर्पण, श्राद्ध एवं पिंडदान का क्रम निरंतर चलता रहा। सनातन धर्म में पितृ पक्ष को पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, स्मरण और कृतज्ञता प्रकट करने का विशेष काल माना गया है। श्राद्ध अमावस्या पर पितरों के निमित्त किए जाने वाले तर्पण, दान और पिंडदान का विशेष धार्मिक महत्व है। इसी के साथ सोलह दिनों तक चलने वाला पितृ पक्ष पितरों के विसर्जन की परंपरा के साथ संपन्न हो गया। अमरकंटक के पावन नर्मदा तटों पर श्रद्धालुओं ने अपने पूर्वजों को श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए धार्मिक परंपराओं का निर्वहन किया। श्राद्ध अमावस्या के पावन अवसर पर मध्य प्रदेश के इंदौर, उज्जैन, रायसेन, धार, शाजापुर, रतलाम और देवास सहित विभिन्न क्षेत्रों से आए श्रद्धालुओं ने अपने कुल देवी-देवताओं की पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार विशेष पूजा-अर्चना की। श्रद्धालुओं ने विधि-विधान से पूजन, आरती एवं अनुष्ठान संपन्न किए। इस दौरान कुल देवी-देवताओं से संबंधित पारंपरिक अस्त्र-शस्त्रों का भी पूजन किया गया। पूजन के दौरान महिलाओं, पुरुषों और युवाओं में विशेष उत्साह दिखाई दिया। भक्ति भाव से सराबोर श्रद्धालु भजन गाते, नृत्य करते और जयकारे लगाते नजर आए। धार्मिक आस्था और पारिवारिक परंपराओं से जुड़ी इन पूजन विधियों ने अमावस्या के वातावरण को भक्तिमय बना दिया। इस बार शनि अमावस्या के संयोग के चलते शनि देव के पूजन-अर्चन के लिए भी श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह रहा। श्रद्धालुओं ने पीपल वृक्ष के समीप विधिवत पूजन-अर्चन एवं आरती की। इसके साथ ही भगवान शनि देव की प्रतिमा पर तेल अर्पित कर पुष्प चढ़ाए और आरती उतारी। भक्तों ने शनि देव से कृपा, दया, सुख-समृद्धि तथा परिवार के कल्याण का आशीर्वाद मांगा। अमावस्या के दिन मां नर्मदा के तटों पर श्रद्धालुओं की अच्छी-खासी भीड़ रही। अनेक भक्तों ने नर्मदा मंदिर पहुंचकर मां नर्मदा के दर्शन किए, पूजा-अर्चना की और अपनी सामर्थ्य के अनुसार दान-पुण्य किया। मां नर्मदा के प्रति अटूट श्रद्धा, पितरों के प्रति कृतज्ञता और सनातन धार्मिक परंपराओं के निर्वहन के साथ पवित्र नगरी अमरकंटक में श्राद्ध अमावस्या का पर्व श्रद्धा एवं भक्तिभाव के वातावरण में संपन्न हुआ।

आज से गूंजेंगे मां दुर्गा के जयकारे, दो दर्जन से अधिक स्थानों पर सजेंगे पंडाल
नवरात्रि की तैयारियां अंतिम चरण में, मुखर्जी चौक पर प्रतिमाएं ले जाने उमड़ी भीड़

यातायात व्यवस्था संभालने पुलिस रही तैनात

कोतमा। मां दुर्गा की आराधना और उपासना का महापर्व शारदीय नवरात्रि आज से शुरू हो रहा है। पर्व को लेकर कोतमा नगर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों में उत्साह का माहौल है। नगर के दो दर्जन से अधिक स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित कर आकर्षक पंडाल सजाए जा रहे हैं। शुक्रवार से ही प्रतिमाओं को पूजा स्थलों तक ले जाने का सिलसिला शुरू हो गया था। वहीं, शनिवार को बाजार में पूजन सामग्री की खरीदारी के लिए लोगों की भीड़ उमड़ी। दुर्गा समितियों के कार्यकर्ता पंडालों को अंतिम रूप देने में जुटे रहे। शारदीय नवरात्रि के दौरान नगर से लेकर गांव और कस्बों तक धार्मिक उल्लास देखने को मिलेगा। विभिन्न स्थानों पर मां दुर्गा के अलग-अलग स्वरूपों की आकर्षक झांकियां सजाई जा रही हैं। मूर्तिकार भी प्रतिमाओं को अंतिम रूप देने में लगे रहे। कोतमा नगर में दो स्थानों पर मूर्तिकारों द्वारा दुर्गा प्रतिमाओं का निर्माण किया गया है। रविवार को विधि-विधान से घट स्थापना के साथ मां दुर्गा की आराधना शुरू होगी। पर्व के समापन पर 21



अक्टूबर को विजयादशमी मनाई जाएगी। नवरात्रि के एक दिन पहले शनिवार को कोतमा के बाजार में सुबह से ही रौनक रही। फल, फूल और पूजन सामग्री की दुकानों पर लोगों की आवाजाही बढ़ गई। श्रद्धालुओं ने पूजा के लिए फल-फूल, तिल, जौ, मिट्टी के कलश, दीपक और अन्य आवश्यक सामग्री की खरीदारी की। नवरात्रि को लेकर दुकानदारों में भी उत्साह देखने को मिला। घरों में पूजा-अर्चना की तैयारियों के साथ मंदिरों और सार्वजनिक पूजा स्थलों पर भी व्यवस्थाएं पूरी की जाती रहीं।

नवरात्रि की तैयारियों के बीच शनिवार को मुखर्जी चौक पर सबसे अधिक चहल-पहल रही। यहां मूर्तिकारों के यहां से सुबह से देर शाम तक मां दुर्गा की प्रतिमाएं ले जाने का सिलसिला चलता रहा। भक्त बैंड-बाजे और पटाखों के साथ चारपहिया वाहनों तथा बड़े वाहनों में प्रतिमाएं लेकर पूजा स्थलों की ओर रवाना हुए। मां के जयकारों से पूरा नगर गूंज उठा। प्रतिमाएं ले जाने के लिए वाहनों की लगातार आवाजाही के कारण मुखर्जी चौक पर जाम की स्थिति भी बनी। यातायात व्यवस्था बनाए रखने के लिए थाना प्रभारी रत्नाम्बर शुक्ल के निर्देश पर यातायात पुलिस और स्थानीय पुलिस बल की ड्यूटी लगाई गई। पुलिस ने वाहनों को सड़क के एक ओर से निकालने तथा प्रतिमाएं लेने पहुंचे वाहनों को क्रमवार रवाना करने की व्यवस्था की, जिससे आवागमन व्यवस्थित बना रहे। कोतमा नगर के बस स्टैंड, मुखर्जी चौक, गुरुद्वारा रोड, शारदा काली मंदिर परिसर, गांधी चौक, पुराना स्टेट बैंक चौक, पुराना अस्पताल रोड, वार्ड क्रमांक एक के भट्ठी टोला, वार्ड क्रमांक सात में शिशु भारती स्कूल के पास, रेस्ट हाउस रोड, विकास नगर, तहसील परिसर, कॉलेज तिराहा, देवी मढ़िया, लहसुई कैंप, गोबिंदा कॉलोनी और गोविंदा गांव सहित अन्य स्थानों पर मां दुर्गा की प्रतिमाएं स्थापित की जाएंगी। ग्रामीण क्षेत्रों में भी दुर्गा पूजा की तैयारियां अंतिम चरण में हैं। नगर के ठाकुर बाबा धाम, पंचायती मंदिर, शारदा काली मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर, धर्मशाला मंदिर और गोहंड्रा स्थित काली मंदिर सहित विभिन्न धार्मिक स्थलों पर नवरात्रि महोत्सव की तैयारियां की जा रही हैं। शारदीय नवरात्रि के पहले दिन घट स्थापना के साथ मां दुर्गा के प्रथम स्वरूप मां शैलपुत्री की पूजा-अर्चना की जाएगी। इसके साथ ही विभिन्न पूजा स्थलों पर जवारे बोए जाएंगे और कलश स्थापित किए जाएंगे। कोतमा के पंचायती मंदिर, बूढ़ी माता मंदिर और ठाकुर बाबा धाम मंदिर परिसर में अखंड ज्योतियां प्रज्वलित की जाएंगी, जो पूरे नौ दिनों तक निरंतर जलती रहेंगी। नवरात्रि के दौरान प्रतिदिन मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। मंदिरों और पंडालों में धार्मिक आयोजन होंगे। श्रद्धालु पूरे नौ दिनों तक मां की आराधना कर परिवार और समाज की सुख-समृद्धि की कामना करेंगे।

खबर संक्षेप

सेवा संकल्प अभियान के तहत शासकीय योजनाओं की दी गई जानकारी



उमरिया। प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीालेंस उमरिया में सेवा संकल्प अभियान के तहत 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिसके तहत प्राचार्य डॉ. अमित कुमार निगम ने अध्ययनरत छात्र-छात्राओं को शासकीय योजनाओं की दी। उन्होंने छात्राओं के हित में चलाई जा रही, विभिन्न शासकीय योजनाओ जैसे गांव की बेटी , प्रतिभा किरण , आवास सहायता , निशुल्क पाठय पुस्तक एवं स्टेशनरी प्रदाय योजनाओ के बारे में बताया।



बारडोली वेलफेयर सोसायटी द्वारा किया गया पौधारोपण

कटनी। बारडोली वेलफेयर सोसायटी द्वारा पर्यावरण संरक्षण एवं हरित वातावरण को बढ़ावा देने के उद्देश्य से 9 अक्टूबर को सेक्टर क्रमांक 03, कान्हवारा एवं करहिया विकासखंड कटनी में 60 पौधों का वृक्षारोपण किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पर्यावरण संतुलन बनाए रखना, प्रकृति का संरक्षण करना तथा आमजन में वृक्षारोपण के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा। इस अवसर पर संस्था के अध्यक्ष आर. एल. चौधरी के द्वारा नागरिकों से अपील की गई कि वे अपने आसपास अधिक से अधिक पौधे लगाएं तथा उनकी देखभाल की जिम्मेदारी भी निभाएं, ताकि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुंदर एवं हरित पर्यावरण मिल सके। इस अवसर में जितेंद्र नामदेव ग्राम विकास प्रस्फुटन समिति कन्हववारा, रामानुज पाण्डे परामर्शदाता, सुनील विश्वकर्मा, अवधेश तोमर, ब्रजेश नामदेव द्वारा एवं बारडोली वेलफेयर सोसायटी के सेक्टर प्रभारी गणपत कोल एवं ग्रामवासियों की उपस्थिति रही ।

आज विराजेंगी मां जगदम्बा, दुर्गा पंडालों में तैयारियां अंतिम चरण में

नवरात्रि पर बुढ़ार नगर में गूंजेंगे माता रानी के जयकारे, देवी मंदिरों में होगी कलश स्थापना



बुढ़ार। शक्ति की आराधना के पावन पर्व नवरात्रि को लेकर बुढ़ार नगर में उत्साह और भक्तिमय माहौल बनने लगा है। नगर के विभिन्न प्रमुख स्थलों पर मां जगत जननी जगदम्बा की प्रतिमा स्थापना को लेकर दुर्गा पंडालों में तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। रविवार, 11 अक्टूबर से नगर में माता रानी के जयकारों की गूंज सुनाई देगी और श्रद्धालु भक्तिभाव के साथ देवी आराधना में जुटेंगे।

नवरात्रि पर्व को लेकर नगर के प्रमुख देवी मंदिरों में भी विशेष तैयारियां की गई हैं। मां शारदा मंदिर, मां बिरासनी मंदिर, मां काली मंदिर, मां दुर्गा मंदिर, मां बूढ़ी मंदिर और मां रामेश्वरी धाम सहित विभिन्न देवी मंदिरों में रविवार को विधि-विधान के साथ कलश स्थापना की जाएगी। इसके साथ ही नौ दिनों तक चलने वाली देवी उपासना का शुभारंभ होगा। नगर के देवी पंडालों में साफ-सफाई, सजावट और अन्य व्यवस्थाओं को अंतिम रूप दिया जा रहा है। नवरात्रि के आगमन से श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह है। पूरे नगर में भक्ति, आस्था और उल्लास का वातावरण नजर आने लगा है।



बुढार में दर्दनाक सड़क हादसाः अज्ञात वल्कर की टक्कर से स्कूटी सवार की मौत दूसरा गंभीर रूप से घायल

नगर निरीक्षक खेम सिंह की सुझबूझ से हंगामा शांत

बुढार। थाना क्षेत्र के पंचवटी चौराहा हाईवे के पास मिश्रा क्रेशर के समीप एक भीषण सड़क हादसा हो गया। तेज रफ्तार और लापरवाही से आ रहे एक अज्ञात वल्कर चालक ने स्कूटी को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस दर्दनाक हादसे में एक व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया।

अगरबत्ती लेकर लौटते समय हुआ हादसा





प्राप्त जानकारी के अनुसार, पंचवटी मोहल्ला बुढार निवासी सुजीत यादव अपने साथी मुन्ना केवट (निवासी अतरिया टोला) के साथ स्कूटी (MP 18 ZB 6096) पर सवार होकर हाईवे स्थित पंचवटी चौराहा की तरफ अगरबत्ती खरीदने गए थे। घर वापस लौटते समय मिश्रा क्रेशर के पास पीछे से आ रहे तेज रफ्तार वल्कर ने उनकी स्कूटी को चपेट में ले लिया।

एक की मौके पर मौत, दूसरा अस्पताल में भर्ती

टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि सुजीत यादव के सिर में गंभीर चोट लगने के कारण मौके पर ही उनकी मौत हो गई। वहीं, उनके साथी मुन्ना केवट को गंभीर चोटें आईं। घटना की सूचना मिलते ही थाना प्रभारी खेम सिंह पेंद्रो ने तत्काल मौके पर पहुंचकर स्थिति को संभाला, एंबुलेंस की मदद से घायल को अस्पताल भिजवाया और अपने सुझबुझ से लोगों को शांत कराया। घायल मुन्ना को बेहतर इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज भेजा गया।

जय माता दी के जयघोष से गूंजेगा भटिया धाम, आज उमड़ेगा श्रद्धालुओं का सैलाब

मां भटिया वाली सिंहवाहिनी के दरबार में नवरात्रि महापर्व की शुरुआत, दर्शन के लिए उमड़ेगी भक्तों की भीड़



बुढ़ार। जय माता दी... जय माता दी के जयघोष से प्रसिद्ध जैतपुर स्थित शक्तिपीठ मां भटिया वाली सिंहवाहिनी धाम आज भक्तिमय होने जा रहा है। शारदीय नवरात्रि के प्रथम दिन मां के दर्शन और पूजन के लिए हजारों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है। मां के दरबार में मत्था टेकने और सुख-समृद्धि की कामना करने के लिए भक्तों में खासा उत्साह है। नवरात्रि महापर्व को लेकर मंदिर परिसर में तैयारियां पूरी कर ली गई हैं, वहीं श्रद्धालुओं की संभावित भीड़ को देखते हुए प्रशासन भी सतर्क है।

मंगला आरती के साथ खुलेंगे मंदिर के पट - मंदिर समिति के अनुसार, नवरात्रि के प्रथम दिन सुबह 4 बजे मंगला आरती के साथ मंदिर के पट श्रद्धालुओं के लिए खोल दिए जाएंगे। मां के दर्शन का सिलसिला रात 10 बजे तक जारी रहेगा। प्रथम दिन घट स्थापना के साथ ही नौ दिवसीय आराधना का शुभारंभ होगा। सुबह से ही श्रद्धालुओं के पहुंचने का क्रम शुरू होने की उम्मीद है। इस वर्ष पिछले साल की तुलना में अधिक भीड़ उमड़ने की संभावना को देखते हुए व्यवस्थाओं को दुरुस्त किया गया है।

आस्था का केंद्र है मां भटिया वाली सिंहवाहिनी धाम - शहडोल जिले का प्रसिद्ध भटिया धाम श्रद्धालुओं की गहरी आस्था का केंद्र है। नवरात्रि के दौरान यहां दूर-दराज के क्षेत्रों से भक्त मां के दर्शन के लिए पहुंचते हैं। पूरे नौ दिनों तक धाम में पूजा-अर्चना और धार्मिक उत्साह का माहौल रहता है। प्रथम दिन से ही मां के जयकारों के बीच भक्तिमय वातावरण बनने की उम्मीद है। रेल मार्ग से भी पहुंच सकते हैं श्रद्धालु- भटिया धाम पहुंचने के लिए बुढ़ार, अनूपपुर और शहडोल रेलवे स्टेशन प्रमुख विकल्प हैं। इन स्टेशनों से सड़क मार्ग द्वारा बस, टैक्सी या निजी वाहन से धाम पहुंचा जा सकता है।

व्यवस्था बनाए रखने में करें सहयोग - मंदिर समिति ने श्रद्धालुओं से अपील की है कि वे अपने वाहन निर्धारित पार्किंग स्थल पर ही खड़े करें और दर्शन के दौरान कतारबद्ध रहें। साथ ही प्रशासन एवं सुरक्षा व्यवस्था में लगे कर्मचारियों का सहयोग करें, ताकि सभी श्रद्धालु सुविधाजनक और सुरक्षित तरीके से मां के दर्शन कर सकें। नवरात्रि के शुभारंभ के साथ ही भटिया धाम में आस्था, भक्ति और उत्साह का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। भक्तों को अब मां भटिया वाली सिंहवाहिनी के प्रथम दर्शन का इंतजार है।

आत्मा योजनान्तर्गत सर्वोत्तम कृषक पुरस्कार से सम्मानित होगें जिले के किसान

उमरिया। सब मिशन ऑन एग्रीकल्चर एक्सटेंशन (आत्मा) योजनान्तर्गत जिले के सर्वोच्च उत्पादकता हासिल करने वाले कृषकों को जिला स्तर एवं विकासखंड स्तर पर सर्वोत्तम कृषकों को सम्मानित किया जाएगा। यह सम्मान आगामी गणतंत्र दिवस के अवसर पर दिया जाएगा। परियोजना संचालक आत्मा ए.आर. मैड़ा ने बताया कि वर्ष 2025- 26 पुरस्कार हेतु कृषकों द्वारा अपनाई गई कृषि तकनीकी, उपज, उत्पादकता के आधार पर जिले के तीनों विकासखण्डों से एक-एक किसान को सर्वोच्च उत्पादकता पुरस्कार दिया जाएगा। जिले के समस्त प्रगतिशील कृषकों (जिसमें कृषि, मत्स्य, उद्यानिकी, पशुपालन, कृषि अभियांत्रिकी) से अपेक्षा है कि वे अपने क्षेत्र अंतर्गत कार्यरत कृषि विस्तार अधिकारी या सीधे वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी कार्यालय से संपर्क कर आवेदन प्राप्त कर निर्धारित प्रपत्र में आवेदन कर सकतें है। किसान अपने आवेदन संबंधित विकासखण्ड कार्यालय वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी विकासखण्ड करकेली,मानपुर, पाली में 13 नवम्बर तक जमा कर सकते है नियत तिथि के बाद प्राप्त आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। किसान भाई अधिक जानकारी हेतु कार्यालय परियोजना संचालक (आत्मा) समिति जिला उमरिया एवं कार्यालयीन समय में विकासखण्ड स्तर पर बीटीएम/एसडीओ से संपर्क कर सकते है।

पूर्वजों की स्मृति में आध्यात्मिक चिंतन के साथ प्रेम शांति और सकारात्मक जीवन का दिया गया संदेश

ब्रह्माकुमारीज सेवाकेंद्र बुढ़ार में पितृपक्ष पर ब्रह्मभोज एवं राजयोग मेडिटेशन का किया गया आयोजन

बुढ़ार। ब्रह्माकुमारीज राजयोग मेडिटेशन सेंटर, बुढ़ार में पितृपक्ष के अवसर पर ब्रह्मा भोजन एवं राजयोग मेडिटेशन का विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। जिसमें नगर के गणमान्य नागरिकों ने सहभागिता निभाई और राजयोग मेडिटेशन के माध्यम से मन की शांति एवं सकारात्मकता का अनुभव किया।

इस अवसर पर सेवाकेंद्र प्रभारी बी.के. रीता दीदी ने पितृपक्ष के महत्व पर प्रकाश डालते हुये कहाकि - यह समय अपने पूर्वजों के प्रति श्रद्धा, सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करने का अवसर है, और आध्यात्मिक दृष्टिकोण से प्रत्येक आत्मा अविनाशी है। राजयोग



मेडिटेशन के अभ्यास से मन को शांत और विचारों को सकारात्मक बनाया जा सकता है।रीता दीदी ने कहाकि - पूर्वजों के प्रति सच्ची श्रद्धांजलि केवल स्मरण तक सीमित नहीं है, बल्कि अपने जीवन



में श्रेष्ठ संस्कारों को अपनाने, परिवार में प्रेम एवं सद्भाव बनाए रखने और जरूरतमंदों की सेवा करने में भी निहित है।कार्यक्रम का उद्देश्य पितृपक्ष के अवसर पर आध्यात्मिक जागरूकता बढ़ाना, लोगों को सकारात्मक विचारों एवं श्रेष्ठ संस्कारों को जीवन में अपनाने के लिए प्रेरित करना तथा समाज में प्रेम, शांति और सद्भाव की भावना को प्रोत्साहित करना रहा।राजयोग शिक्षक बी.के. प्रवीण ने उपस्थित भाई-बहनों को राजयोग मेडिटेशन का अभ्यास कराया और उन्होंने परमात्म स्मृति के माध्यम से मन को एकाग्र करने तथा आंतरिक शांति का अनुभव करने की विधि समझाई।कार्यक्रम में वरिष्ठ पत्रकार मोहन नामदेव, वार्ड पार्षद विजय यादव, वृंदा भगत सहित नगर के अनेकों गणमान्य नागरिक उपस्थित रहे। सभी ने आध्यात्मिक कार्यक्रम में सहभागिता की और सामूहिक रूप से ब्रह्मा भोजन ग्रहण किया।

अभियान में अवैध मदिरा जप्त

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय द्वारा अवैध मदिरा के विनिर्माण,संग्रहण, विक्रय,एवं परिवहन पर प्रभावी नियंत्रण स्थापित करने तथा शासन के राजस्व हित ,जनस्वास्थ्य तथा लोकहित की दृष्टि से विशेष अभियान के अंतर्गत कार्यवाही करने के निर्देशों के पालन में एवं जिला आबकारी अधिकारी ममता अहिरवार के मार्गदर्शन में वृत्त पाली के ग्राम दफाई, गिंजरी, कचोरा से 11 ली हाथ भट्टी मदिरा, 75 किलो महुआ लाहन, देशी मदिरा 5.94 बल्क ली जप्त कर कुल 8 प्रकरण मध्यप्रदेश आबकारी अधिनियम के तहत कायम कर विवेचना में लिया गया। जिसमें जप्त शराब की अनुमानित कीमत लगभग 11328 रुपये आंकलित की गई है। कार्यवाही में आबकारी उपनिरीक्षक दिनकर सिंह तिवारी, मुख्य आरक्षक अवध सिंह बघेल, विद्या सिंह, एवं नगर सैनिक उपस्थित रहे।

स्वास्थ्य केंद्रों में नियत समय तक उपस्थित रहें चिकित्सकः कलेक्टर





मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में कमीं लाने के सभी प्रयास प्राथमिकता से करें: कलेक्टर

उमरिया। कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने जिला स्वास्थ्य समिति की बैठक में जिले में संचालित स्वास्थ्य गतिविधियों की विस्तार से समीक्षा करते हुए निर्देश दिए कि जिला चिकित्सालय सहित जिले के सभी स्वास्थ्य केंद्रो में चिकित्सक नियत समय तक उपस्थित रहकर मरीजों का उपचार करे । उन्होने कहा कि जिला चिकित्सालय में पदस्थ चिकित्सकों की डयुटी जिस समय पर रहे वह अनिवार्यतः चिकित्सालय में उपस्थित रहे तथा भर्ती किए गए मरीजों का समुचित उपचार करें इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही पर कडी कार्यवाही की जाएगी।

कलेक्ट्रेट के सभागार में आयोजित बैठक में कलेक्टर ने अनमोल पोर्टल में ए एन सी पंजीयन की समीक्षा के उपरांत गर्भवती महिलाओं की चार ए एन सी चेकअप की समीक्षा के दौरान निर्देश दिए कि नियत समय पर गर्भवती महिला की जांच हो , उसे समय समय पर आयरन टेबलेट के साथ ही अन्य चिकित्सकीय सुविधा उपलब्ध कराई जाए, जिससे मातृ एवं शिशु मृत्यु दर मे कमी हो सके। उन्होने कहा कि मातृ एवं शिशु मृत्यु दर मे कमीं के लिए सभी स्तर पर प्रयास करने होगे । उन्होने स्वास्थ्य केंद्रो में प्रसव के दौरान महिलाओं तथा बच्चों की मृत्यु न हो उन्हे समुचित इलाज मिले उन्होने इलाजरत नवजात बच्चो की मृत्यु होने पर नाराजगी व्यक्त करते हुए चिकित्सकों को निर्देश दिए कि अस्पताल में भर्ती बच्चों का समुचित इलाज हो, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही क्षम्य नही होगी। उन्होंने गत 6 माह में शिशु एवं मातृ मृत्यु दर में सुधार न होने तथा लापरवाही बरतने पर चिकित्सक डा निपानें कोण बताओ नोटिस जारी करनें के निर्देश दिए। कलेक्टर ने मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी को निर्देश दिए कि जिले के सभी चिकित्सा केंद्रों में चिकित्सकों की उपस्थिति अनिवार्य कराते हुए उन्हें प्रारंभिक सुविधा भी दिया जाना सुनिश्चित करें। उन्होने मैदानी अमले को समय समय पर प्रशिक्षण देने के भी निर्देश दिए। कलेक्टर ने कहा कि नवविवाहितों को मैरिज सर्टिफिकेट बनाने के लिए भी जागरूक किया जाए। कलेक्टर ने जिले में संचालित छात्रावासों में निवासरत छात्रों के स्वास्थ्य परीक्षण कराए जाने के निर्देश सीएमएचओ को दिए। बैठक में राष्ट्रीय किशोर स्वास्थ्य कार्यक्रम, राष्ट्रीय बाल स्वास्थ्य कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। इस दौरान बताया गया कि जिले में सितंबर माह तक 92 प्रतिशत टीकाकरण का कार्य किया जा चुका हैं। कलेक्टर ने पाली विकासखंड में टीकाकरण कार्य को गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने एनसीडी कार्यक्रम के तहत फॉलोअप के उपरांत इलाज में प्रगति के भी निर्देश दिए। बैठक में राष्ट्रीय क्षय नियंत्रण कार्यक्रम, सिकल सेल उन्मूलन एवं राष्ट्रीय वेक्टर जनित रोग नियंत्रण कार्यक्रम की भी समीक्षा की गई। इस दौरान जानकारी दी गई जिले में 4 लाख 92 हजार 294 आयुष्मान कार्ड बन चुके है। जो लक्ष्य के विरूद्ध 98 प्रतिशत हैं। इसी प्रकार 70 वर्ष से अधिक आयु के 15 हजार 34 व्यक्तियो के भी आयुष्मान कार्ड बनाए जा चुके है।

जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक संपन्न : कलेक्ट्रेट में आयोजित जिला स्तरीय पोषण समिति की बैठक में कलेक्टर श्रीमती राखी सहाय ने निर्देश दिए कि महिला बाल विकास एवं स्वास्थ्य विभाग समन्वय बनाकर जिले में मातृ एवं शिशु के स्वास्थ्य सुधार के लिए कार्य करें तथा जिले की प्रगति को सुधारे । उन्होने मैदानी अमले को फिल्ड मे नियमित उपस्थित रहने तथा नियमित मानीटरिंग किए गए जाने के भी निर्देश दिए। उन्होने कहा कि दोनो विभागों के समन्वय से ही मातृ एवं शिशु मृत्यु दर में सुधार होगा। कलेक्टर ने महिला बाल विकास विभाग में पदस्थ सुपरवाईजर को नियमित फिल्ड भ्रमण करने के निर्देश दिए। उन्होने कहा कि यदि कहीं से भी शिकायत प्राप्त होगी तथा अपेक्षित प्रगति नही होगी तो संबंधित के विरूध्द कडी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में सीएमएचओ डा व्ही एस चंदेल, सिविल सर्जन डा के सी सोनी, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग रूचि बागरी सहित स्वास्थ्य एवं महिला बाल विकास विभाग के अधिकारी उपस्थित रहे।

शिक्षण-अधिगम सामग्री और सीखने की प्रक्रिया पर हुआ मंथन



डाइट में जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

उमरिया। जिले में शिक्षा की गुणवत्ता में सुधार लाने के उद्देश्य से स्कूल शिक्षा विभाग एवं राज्य शिक्षा केंद्र के निर्देशानुसार शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी क्रम में उमरिया जिले में प्राचार्य, जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट) के मार्गदर्शन में कक्षा 1 से 5 तक के लिए जिला स्तरीय शैक्षिक संवाद उन्मुखीकरण कार्यक्रम का आयोजन डाइट में किया गया।

कार्यक्रम में इस माह की विषयवस्तु 'शिक्षण-अधिगम सामग्री और सीखना' पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री के प्रभावी उपयोग, बच्चों की सीखने की प्रक्रिया को सरल एवं रोचक बनाने तथा कक्षा शिक्षण को अधिक प्रभावी बनाने के विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। कार्यक्रम में उमरिया जिले के सभी 33 जनशिक्षा केंद्रों से सहजकर्ता शामिल हुए। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान के प्राचार्य श्री विनोद कुमार मनवारे एवं प्रशिक्षण प्रभारी डॉ. ब्रजेश शर्मा का विशेष मार्गदर्शन प्राप्त हुआ। वहीं, मास्टर ट्रेनर के रूप में श्री राजकुमार यादव एवं श्रीमती रूपा द्विवेदी ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। कार्यक्रम में सभी जनशिक्षा केंद्रों के जनशिक्षक एवं सहजकर्ता उपस्थित रहे।

जिला स्तरीय उन्मुखीकरण के पश्चात सहजकर्ताओं द्वारा आगामी शनिवार को जनशिक्षा केंद्र स्तर पर आयोजित होने वाले शैक्षिक संवाद कार्यक्रमों के लिए शिक्षकों का उन्मुखीकरण किया जाएगा। इसके माध्यम से शिक्षकों को शिक्षण-अधिगम सामग्री के बेहतर उपयोग और बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार लाने के लिए मार्गदर्शन प्रदान किया जाएगा।

नवोदय विद्यालय में लेटरल एंट्री के आवेदन 30 तक

कटनी। पीएम श्री स्कूल जवाहर नवोदय विद्यालय बड़वारा में सत्र 2027-28 के लिए कक्षा 9वीं एवं कक्षा 11वीं में लेटरल एंट्री प्रवेश परीक्षा 2027 के माध्यम से प्रवेश के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि बढ़ा दी गई है। पहले आवेदन की अंतिम तिथि 30 सितंबर निर्धारित थी, जिसे अब बढ़ाकर 15 अक्टूबर कर दिया गया है। विद्यालय के प्राचार्य प्रेम प्रकाश ने बताया कि इच्छुक एवं पात्र अभ्यर्थी निर्धारित तिथि तक ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

खबर संक्षेप



सेवा सेतु अभियान का हुआ आयोजन

राजनगर। राज्य शासन के निर्देशानुसार 10 अक्टूबर को नगर परिषद डूमरकछार कार्यालय भवन में सेवा सेतु अभियान-सरकार आपके द्वारा के अंतर्गत जन कल्याणकारी शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का मुख्य उद्देश्य शासन की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं का लाभ सीधे और त्वरित रूप से जनता तक पहुंचाना था, शिविर में शासकीय योजनाओं का लाभ लेने के लिए निकायवासी उपस्थित रहे। शिविर के दौरान कुल 77 आवेदन प्राप्त हुए, जिन पर विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा त्वरित नियमानुसार कार्यवाही करते हुए पात्र हितग्राहियों को मौके पर ही योजनाओं का लाभ दिया गया। शिविर का शुभारंभ एवं संचालन पदानुक्रम के अनुसार गरिमामयी वातावरण में किया गया, निकाय अध्यक्ष व जिला योजना समिति के सदस्य डॉ. सुनील कुमार चौरसिया, मुख्य नगर पालिका अधिकारी शरद गौतम, सभापति रवि सिंह, जीतेंद्र चौहान, एल्डरमैन पंचम पाव, पार्षद विजेंद्र देवांगन, पार्षद पति योगेश पालीवाल और केएन शर्मा सहित नागरिकों, जनप्रतिनिधियों और प्रशासनिक अधिकारियों की मौजूदगी में आम जनता की समस्याओं को सुना गया और उनका तत्काल निराकरण सुनिश्चित किया गया। इस शिविर में राजस्व विभाग, महिला एवं बाल विकास विभाग, सामाजिक न्याय एवं दिव्यांगजन सशक्तिकरण, खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति, स्वास्थ्य, पशुपालन, श्रम, जनजातीय कार्य, शिक्षा विभाग सहित अन्य सभी प्रमुख विभागों के द्वारा विशेष स्टॉल लगाए गए। विभागीय स्टॉलों के माध्यम से उपस्थित नागरिकों को विभिन्न शासकीय योजनाओं, सेवाओं, पात्रता एवं आवश्यक दस्तावेजों की विस्तृत जानकारी प्रदान की गयी, मौके पर प्राप्त आवेदनों को पोर्टल पर पंजीकृत कर तत्काल संबंधित विभाग के नोडल अधिकारियों को सौंपकर कई आवेदनों का मौके पर ही निराकरण कर दिया गया है। शिविर को सफल बनाने में मैदानी टीमों का सराहनीय योगदान रहा, जिसमें राजस्व विभाग से पटवारी सृष्टि मरावी, स्वास्थ्य विभाग का अमला, आशा कार्यकर्ता, महिला एवं बाल विकास की टीम तथा निकाय के अधिकारी कर्मचारी विभागीय अधिकारी/कर्मचारी मुस्तैद रहे। जिला नोडल अधिकारी व मॉनिटरिंग ऑफिसर सुरेन्द्र सिंह श्याम के दिशा-निर्देशन तथा तहसीलदार कोतमा के राजस्व पर्यवेक्षण में नगर परिषद के समस्त कर्मचारियों ने पार्षदों, एल्डरमैन, नागरिकों, समाजिक कार्यकर्ताओं, राजनीतिक पदाधिकारियों से बेहतर समन्वय स्थापित कर हितग्राहियों को शिविर तक पहुँचाने और उनके आवेदनों के ऑनलाइन पंजीयन, भौतिक संकलन व सत्यापन का कार्य पूरी निष्ठा से किया, जिससे यह शिविर सफल और लोक-कल्याणकारी साबित हुआ।

21 मवेशियों से भरा ट्रक जब्त, लपटा से यूपी तक परिवहन की कड़ियां खंगालने की जरूरत

25.50 लाख रुपये का मशरूका जब्त, चालक गिरफ्तार





वाहन मालिक समेत चार लोगों के नाम सामने आने के बाद संभावित नेटवर्क की जांच

अनूपपुर। जिले में अवैध पशु परिवहन के मामले में भालूमाड़ा पुलिस ने 21 मवेशियों से भरा ट्रक जब्त कर चालक को गिरफ्तार किया है। पुलिस के मुताबिक, ट्रक में मवेशियों को क्रूरतापूर्वक ठूंसकर ले जाया जा रहा था। जब्त वाहन और मवेशियों की कुल कीमत 25 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। कार्रवाई के बाद अब जांच का दायरा केवल ट्रक चालक तक सीमित नहीं है, बल्कि वाहन मालिक, स्थानीय स्तर पर सामने आए नामों और मवेशियों की खरीद से लेकर परिवहन तक की कड़ियों की पड़ताल भी महत्वपूर्ण हो गई है। हालांकि, किसी संगठित नेटवर्क की संलिप्तता अभी जांच का विषय है।

कुशियारा फाटक के पास घेराबंदी कर पकड़ा ट्रक

पुलिस से प्राप्त जानकारी के अनुसार, 10 अक्टूबर 2026 को सुबह करीब 9 बजे सूचना मिली कि एक ट्रक में मवेशियों को भरकर हरद से बदरा की ओर ले जाया जा रहा है। सूचना पर भालूमाड़ा थाना प्रभारी राधिका भगत के नेतृत्व में पुलिस टीम ने कुशियारा फाटक स्थित हनुमान मंदिर के पास घेराबंदी की। इसी दौरान वाहन को रोककर तलाशी ली गई। जांच के दौरान ट्रक में कुल 21 मवेशी मिले, जिनमें 19 भैंसे और दो भैंसें बताई गई हैं। पुलिस के अनुसार, मवेशियों को वाहन में ठूंसकर ले जाया जा रहा था। पुलिस ने ट्रक और उसमें लदे सभी मवेशियों को जब्त कर लिया। जब्त ट्रक की कीमत करीब 15 लाख रुपये और मवेशियों की कीमत 10 लाख 50 हजार रुपये आंकी गई है। मवेशियों को सुरक्षित रखने के लिए कोतमा कांजी हाउस में रखवाया गया है।

चालक गिरफ्तार, वाहन मालिक समेत अन्य नाम सामने आए

पुलिस ने ट्रक चालक शहनबाज अहमद (34), निवासी अकबरपुर उर्फ गंगागंज, थाना नवाबगंज, उत्तर प्रदेश को मौके से गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, पूछताछ में चालक ने वाहन मालिक के रूप में अजय कुमार सैनी का नाम बताया। इसके अलावा लपटा निवासी फिरोज उर्फ सोनू कुरैशी और अब्दुल रहमान उर्फ बल्लू के नाम भी सामने आए हैं। इस मामले में अपराध क्रमांक 310/2026 दर्ज कर पशु क्रूरता निवारण अधिनियम, मध्यप्रदेश कृषक पशु परिरक्षण अधिनियम तथा मोटरयान अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत प्रकरण कायम किया गया है। पुलिस अब मवेशियों के स्रोत, परिवहन के उद्देश्य और मामले में नाम सामने आए व्यक्तियों की भूमिका की जांच कर रही है। केवल नाम सामने आने के आधार पर किसी व्यक्ति की संलिप्तता को प्रमाणित नहीं माना जा सकता। इसकी पुष्टि जांच और उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर ही होगी।

जांच के दायरे में लपटा से उत्तर प्रदेश तक की कड़ियां

21 मवेशियों से भरे ट्रक की बरामदगी के बाद सबसे महत्वपूर्ण सवाल यह है कि मवेशियों को कहां से एकत्र किया गया था, उन्हें किस गंतव्य तक ले जाया जा रहा था और इस परिवहन की व्यवस्था किसने की थी। ट्रक चालक उत्तर प्रदेश का निवासी है, जबकि मामले में लपटा के दो स्थानीय निवासियों के नाम सामने आने की बात पुलिस ने कही है। ऐसे में मवेशियों की खरीद, लोडिंग, वाहन की व्यवस्था और संभावित गंतव्य से जुड़े तथ्यों की जांच अहम हो जाती है। पुलिस जांच में यह भी स्पष्ट होना बाकी है कि परिवहन के लिए आवश्यक दस्तावेज उपलब्ध थे या नहीं और मवेशियों को ले जाने के पीछे क्या उद्देश्य था। यदि जांच में अन्य व्यक्तियों की भूमिका या संगठित रूप से पशु परिवहन किए जाने के प्रमाण मिलते हैं, तो कार्रवाई का दायरा बढ़ सकता है। फिलहाल किसी बड़े नेटवर्क की पुष्टि नहीं हुई है।

थाना प्रभारी के नेतृत्व में कार्रवाई

भालूमाड़ा थाना प्रभारी राधिका भगत के नेतृत्व में की गई कार्रवाई में विवेक त्रिपाठी, धर्मेन्द्र यादव, प्रवीण भगत और दिनेश किराडे की भूमिका रही। पुलिस ने जब्त मवेशियों को कोतमा कांजी हाउस में सुरक्षित रखवाया है। अब आगे की जांच में पशुओं के स्रोत, परिवहन मार्ग, संबंधित दस्तावेजों और मामले में सामने आए लोगों की भूमिका की पड़ताल की जाएगी।

15 दिन से लापता रिटायर्ड डिप्टी रेंजर का बांध में मिला शव

खेत जाने के लिए निकले कपड़ों से कराई जा रही पहचान



कोतमा। कोतमा थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलियाबड़ी गांव स्थित बांध में 15 दिनों से लापता रिटायर्ड डिप्टी रेंजर का शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया। सूचना मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और शव को बांध से बाहर निकलवाकर मेडिकल कॉलेज शहडोल पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया। शव पानी में काफी समय तक रहने के कारण बुरी तरह गल चुका है, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। फिलहाल कपड़ों एवं अन्य समानों के आधार पर पहचान के प्रयास किया जा रहा है। जानकारी के अनुसार रमेश कोल 65 वर्ष, वन विभाग में डिप्टी रेंजर के पद से सेवानिवृत्त हुए थे। बताया जाता है कि वह 25 सितंबर को दोपहर के समय अपने घर से खेत जाने के लिए निकले थे। इसके बाद वह वापस नहीं लौटे और उनका कोई पता नहीं चल सका। परिजनों द्वारा काफी तलाश किए जाने के बाद भी पता नहीं चलने पर थाने में गुमशुदगी दर्ज कराई गई थी। बताया जाता है कि शुक्रवात की शाम को ग्रामीणों ने बांध में शव को तैरता देखे जाने के बाद सूचना सरपंच और पुलिस की दी गई। शव पानी में लंबे समय तक रहने के कारण बुरी तरह गल चुका था। ऐसे में उसकी पहचान करना कठिन हो रहा है। मृतक की जेब से एक डिबिया और कुछ रुपये मिलने की जानकारी भी सामने आई है। कपड़ों के आधार पर शव की पहचान करने का प्रयास किया जा रहा है। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए मेडिकल कॉलेज शहडोल भेजकर मामले की जांच शुरू कर दी है। रमेश कोल की मौत को लेकर गांव में चर्चा बनी हुई है।

आज से शुरू होगी शारदीय नवरात्रि, हाथी पर सवार होकर आएंगी मां दुर्गा कलश स्थापना के लिए सुबह 6:19 से 10:12 बजे तक शुभ मुहूर्त

20 अक्टूबर को मनाया जाएगा विजयादशमी का पर्व

अनूपपुर। शक्ति की आराधना का महापर्व शारदीय नवरात्रि आज 11 अक्टूबर रविवार से शुरू होगा। नौ दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना की जाएगी। इस दौरान देवी मंदिरों में विशेष अनुष्ठान होंगे और घरों में श्रद्धालु विधि-विधान से कलश स्थापना कर मां की आराधना करेंगे। नवरात्रि को लेकर मंदिरों और पूजा पंडालों में तैयारियां शुरू हो गई हैं। ज्योतिषीय मान्यताओं के अनुसार, इस वर्ष मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होगा। वहीं, 20 अक्टूबर को विजयादशमी यानी दशहरा मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी ने नवरात्रि के शुभ मुहूर्त, पूजा-विधान और धार्मिक मान्यताओं की जानकारी देते हुए बताया कि नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा की जाती है। इसी दिन घटस्थापना के साथ नौ दिवसीय देवी आराधना का शुभारंभ होता है। श्रद्धालु अपनी परंपरा और सामर्थ्य के अनुसार व्रत रखते हैं तथा दुर्गा सप्तशती, दुर्गा चालीसा और देवी मंत्रों का पाठ करते हैं।

कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

पंडित अखिलेश त्रिपाठी के अनुसार, नवरात्रि के पहले दिन शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना करना विशेष धार्मिक महत्व रखता है। प्रकाशित पंचांगों के अनुसार सुबह लगभग 6:19 बजे से 10:12 बजे तक घटस्थापना का मुहूर्त बताया गया है। इसके अलावा अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक बताया गया है। हालांकि, अलग-अलग पंचांगों और स्थानीय गणना के अनुसार समय में अंतर हो सकता है। श्रद्धालुओं को पूजा से पहले स्थानीय पंचांग के अनुसार मुहूर्त की पुष्टि कर लेनी चाहिए। कलश स्थापना के लिए मिट्टी का पात्र, जौ, जल से भरा कलश, आम के पत्ते, नारियल, रोली, अक्षत, पुष्प, धूप और दीपक सहित आवश्यक पूजन सामग्री रखी जाती है। विधि-विधान से घटस्थापना के बाद मां दुर्गा का आह्वान कर आरती की जाती है और परिवार की सुख-समृद्धि की कामना की जाती है।

हाथी पर आगमन को शुभ मानने की धार्मिक परंपरा

नवरात्रि में मां दुर्गा के आगमन और प्रस्थान के वाहन को लेकर धार्मिक मान्यताएं प्रचलित हैं। पंचांग संबंधी जानकारी के अनुसार,



रविवार से नवरात्रि प्रारंभ होने पर मां दुर्गा का आगमन हाथी पर माना गया है। धार्मिक परंपरा में हाथी को सुख-समृद्धि, वैभव और अच्छी वर्षा का प्रतीक माना जाता है। हालांकि, देवी के वाहन से जुड़े संकेत ज्योतिषीय मान्यताओं का हिस्सा हैं और इन्हें उसी रूप में देखा जाना चाहिए।

नौ दिनों में होगी नौ स्वरूपों की आराधना

नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री, दूसरे दिन मां ब्रह्मचारिणी, तीसरे दिन मां चंद्रघंटा, चौथे दिन मां कूष्मांडा, पांचवें दिन मां स्कंदमाता, छठे दिन मां कात्यायनी, सातवें दिन मां कालरात्रि, आठवें दिन मां महागौरी और नौवें दिन मां सिद्धिदात्री की पूजा की जाती है। देवी के इन नौ स्वरूपों की आराधना को शक्ति, साहस, संयम, ज्ञान और आध्यात्मिक उन्नति का प्रतीक माना जाता है। नौ दिनों तक श्रद्धालु उपवास, भजन-कीर्तन, मंत्र जाप और धार्मिक अनुष्ठानों के माध्यम से मां दुर्गा की कृपा प्राप्त करने की कामना करेंगे।

अष्टमी-नवमी की पूजा के बाद दशहरा

नवरात्रि के अंतिम दिनों में महाष्टमी, महानवमी और कन्या पूजन का विशेष महत्व रहता है। इन अवसरों पर श्रद्धालु हवन, कन्या पूजन और भंडारे का आयोजन करते हैं। वर्ष 2026 में पंचांग के अनुसार 19 अक्टूबर को अष्टमी और नवमी से जुड़े प्रमुख अनुष्ठान किए जाने की जानकारी दी गई है, जबकि 20 अक्टूबर को विजयादशमी का पर्व मनाया जाएगा। ज्योतिषाचार्य पंडित अखिलेश त्रिपाठी ने श्रद्धालुओं से अपील की कि वे नवरात्रि के दौरान श्रद्धा, भक्ति और अनुशासन के साथ मां दुर्गा की आराधना करें। पूजा-पाठ के साथ जरूरतमंदों की सहायता, सेवा और सदाचार को भी जीवन में अपनाएं। नवरात्रि का संदेश बुराई पर अच्छाई की विजय, धर्म की रक्षा और समाज में सकारात्मकता का प्रसार करना है।

अध्यक्ष राम अवध सिंह को सौंपा पत्र, निंदा प्रस्ताव पारित करने और नियमानुसार पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग

पसान नगर पालिका में सियासी घमासान, उपाध्यक्ष अजय यादव के खिलाफ लामबंद हुए 16 पार्षद

बदरा/जमुना। नगर पालिका परिषद पसान में उपाध्यक्ष अजय यादव के खिलाफ 16 पार्षदों ने मोर्चा खोल दिया है। पार्षदों ने अध्यक्ष राम अवध सिंह को संयुक्त रूप से पत्र सौंपकर उपाध्यक्ष पर विकास कार्यों में बाधा डालने, मंगल भवन निर्माण को प्रभावित करने, सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक प्रचार करने और नातेदार के नाम पर ठेकेदारी से लाभ लेने जैसे आरोप लगाए हैं। पार्षदों ने आगामी परिषद बैठक में उपाध्यक्ष के खिलाफ निंदा प्रस्ताव पारित करने के साथ नियमानुसार कार्रवाई और पद से हटाने की प्रक्रिया शुरू करने की मांग की है। 16 पार्षदों के हस्ताक्षर वाले इस पत्र से नगर पालिका के भीतर चल रहा विवाद खुलकर सामने आ गया है। अब सवाल यह है कि अध्यक्ष और परिषद प्रशासन इन शिकायतों पर क्या कदम उठाते हैं और आरोपों की जांच के लिए क्या प्रक्रिया अपनाई जाती है।

मंगल भवन निर्माण बना विवाद की प्रमुख वजह

पार्षदों की ओर से सौंपे गए पत्र में मंगल भवन के निर्माण कार्य को लेकर गंभीर आपत्ति जताई गई है। पत्र के अनुसार, नगरवासियों की सुविधा के लिए नगर पालिका परिषद द्वारा मंगल भवन का निर्माण कराया जा रहा है। आरोप है कि उपाध्यक्ष अजय यादव ने इस कार्य को रुकवाने के उद्देश्य से एसईसीएल प्रबंधन और संयुक्त संचालक, नगर प्रशासन एवं विकास, शहडोल संभाग को पत्र लिखे, जिससे निर्माण कार्य प्रभावित होने की आशंका पैदा हुई। पार्षदों ने इसे नगर के विकास कार्यों में कथित हस्तक्षेप बताते हुए आपत्ति दर्ज कराई है। हालांकि, निर्माण कार्य को लेकर उपाध्यक्ष ने किन परिस्थितियों में संबंधित विभागों को पत्र लिखा और इसके पीछे उनका पक्ष क्या है, यह स्पष्ट होना बाकी है। संबंधित विभागों की प्रतिक्रिया भी सामने नहीं आई है।

फेसबुक पर कथित भ्रामक प्रचार का आरोप

पत्र में उपाध्यक्ष पर सोशल मीडिया, विशेषकर फेसबुक के माध्यम से परिषद और जनप्रतिनिधियों की छवि प्रभावित करने का आरोप भी लगाया गया है। पार्षदों का कहना है कि परिषद के कामकाज और जनप्रतिनिधियों के संबंध में कथित तौर पर भ्रामक एवं निराधार सामग्री प्रसारित की जा रही है,



जिससे आम लोगों के बीच भ्रम की स्थिति बनती है। पार्षदों ने इस तरह की गतिविधियों पर आपत्ति जताते हुए कहा है कि जनप्रतिनिधियों के बीच मतभेद हो सकते हैं, लेकिन उनका असर नगर के विकास और परिषद की कार्यप्रणाली पर नहीं पड़ना चाहिए। हालांकि, सोशल मीडिया पर प्रकाशित सामग्री की स्वतंत्र पुष्टि और उपाध्यक्ष का पक्ष सामने आने के बाद ही इस आरोप की वास्तविक स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

नातेदार के नाम पर ठेकेदारी का मामला भी उठाया

उपाध्यक्ष के खिलाफ सौंपे गए पत्र में ठेकेदारी से संबंधित आरोप भी शामिल हैं। पार्षदों ने आरोप लगाया है कि अजय यादव अपने नातेदार आजाद यादव के नाम से नगर पालिका में ठेकेदारी का कार्य करते हैं और इससे उन्हें प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष लाभ मिलता है। पत्र में इस मामले में नगर पालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत कार्रवाई की मांग की गई है। हालांकि, ठेकेदारी में उपाध्यक्ष की वास्तविक भूमिका, संबंधित कार्यों के अभिलेख और किसी नियम के उल्लंघन की स्थिति की पुष्टि जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल यह आरोप पार्षदों की ओर से लगाए गए हैं, जिन पर उपाध्यक्ष का पक्ष सामने आना बाकी है।

निंदा प्रस्ताव से लेकर पद से हटाने तक की मांग

अध्यक्ष राम अवध सिंह को सौंपे गए पत्र में पार्षदों ने मांग की है कि आगामी परिषद बैठक में उपाध्यक्ष के खिलाफ लगाए गए आरोपों पर चर्चा कर औपचारिक निंदा प्रस्ताव पारित किया जाए। इसके साथ ही अविश्वास प्रस्ताव सहित नियमानुसार उपलब्ध प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई करने की मांग भी की गई है। पार्षदों का कहना है कि परिषद के पदाधिकारियों से नगर के विकास, जनहित और सामूहिक निर्णयों को प्राथमिकता देने की अपेक्षा की जाती है। यदि किसी पदाधिकारी के विरुद्ध नियमों के उल्लंघन की शिकायत सामने आती है, तो उसकी निष्पक्ष जांच कर नियमानुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। हालांकि, केवल शिकायत पत्र सौंपने से उपाध्यक्ष को पद से हटाया जाना तय नहीं होता। इसके लिए लागू कानूनी प्रावधानों, आवश्यक प्रक्रिया और सक्षम प्राधिकारी के निर्णय के अनुसार ही कार्रवाई हो सकती है।

16 पार्षदों के हस्ताक्षर से बढ़ा विवाद का महत्व

उपाध्यक्ष के खिलाफ 16 पार्षदों का एकजुट होकर पत्र सौंपना परिषद के भीतर उभरे असंतोष को सामने लाता है। पार्षदों ने संयुक्त रूप से अपनी आपत्तियां दर्ज कराते हुए अध्यक्ष से मामले को आगामी परिषद बैठक में रखने और आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की है। पत्र सौंपने वालों में वार्ड क्रमांक 1 से पूजा सिंह, वार्ड 2 से गीता अजय यादव, वार्ड 3 से सविता सिंह, वार्ड 4 से विकास कुमार जायसवाल, वार्ड 5 से सरोज लोधी, वार्ड 6 से अलका लालबहादुर जायसवाल, वार्ड 8 से पुष्पा सिंह श्याम, वार्ड 9 से सुशील कुमार उर्फ चुन्ना, वार्ड 10 से चौनू, वार्ड 11 से आफरीन बिलाल हुसैन, वार्ड 12 से अब्दुल कलाम, वार्ड 13 से दीपक कुमार सिंह, वार्ड 14 से दीपाली साहू, वार्ड 15 से अर्चना मुगोरिया, वार्ड 16 से शकुन पनिका और वार्ड 18 से इंद्रलाल केवट शामिल हैं।

अब अगली परिषद बैठक पर टिकी निगाहें

पसान नगर पालिका में उपाध्यक्ष के खिलाफ उठे इस कदम के बाद अब आगामी परिषद बैठक महत्वपूर्ण मानी जा रही है। अध्यक्ष राम अवध सिंह शिकायत पत्र पर क्या रुख अपनाते हैं, परिषद में निंदा प्रस्ताव लाया जाता है या नहीं और आरोपों की जांच के लिए क्या कदम उठाए जाते हैं, यह आगे की कार्रवाई से स्पष्ट होगा। वहीं, उपाध्यक्ष अजय यादव का पक्ष सामने आना भी जरूरी है, ताकि लगाए गए आरोपों और उनके जवाब के आधार पर पूरे मामले की स्थिति स्पष्ट हो सके। फिलहाल मंगल भवन निर्माण, सोशल मीडिया पर कथित भ्रामक प्रचार और ठेकेदारी से जुड़े आरोपों ने पसान नगर पालिका की राजनीति में विवाद बढ़ा दिया है।